Sl. No. :

MHNSC-4.1

Total No. of Pages : 2

Fourth Semester M.A. Degree Examination, October/November - 2025

(SLM Scheme) (CBCS)

हिन्दी (HINDI)

Course - III : Streevadi Sahitya

स्त्रीवादी साहित्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **[4 × 5 = 20]**

1. ''आज संडे को भी हमें ताराबाई के घर छोडेगें आप!
   हम ताराबाई के यहाँ नहीं रहेंगें।''

2. ''आज सोचती हूँ तो लगता है कि कैसा अनाथ और
   असहाय बचपन था।''

3. ''जिन्दगी जीने के लिय अपनी लडाई लड़नी पड़ती है। यदि
   औरत व्यवस्था के बाहर कदम बढ़ाती है तो उसे
   ज्यादा बडी कीमत चुकानी पडेगी।''

4. ''सभी खर्च तो वाजिब–वाजिब है, किसका पेट काटूँ?
   यही – गाँठ करते – करते बूढ़ी हो गयी। न मन का पहना। न ओढ़ा।

5. अपनी जगह से गिर कर
   कही के नहीं रहते
   केश, औरतें और नाखून–
   अन्वत करते थे किसी लोक को रोसे
   हमारे संस्कृत टीचर
   और मारे डर के जम जाती थीं
   हम लड़कियाँ अपनी जगह पर।

6. ''सगठित हुए सदियों से शोषित लोग
संगठित हुए पसीने से पोषित लोग
संगठित हुए मशीनों से भिड़ते लोग
संगठित हुए भीडों सा हैंकते लोग
एक नए एक हुए एक हुए सव लोग।''

SECTION - B

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [3 × 10 = 30]

7. 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में चित्रित 'प्रिया' आधुनिक नारी शक्ति की पहचान बनकर उभरी है। इस कथन का समर्थन कीजिए।

8. कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'महानगर की मैथिली' कहानी का विश्लेषण कीजिए।

9. रमणिकागुप्त का साहित्यिक परिचय– देते हुए, छैनी की झांझर छनकी' कविता का सार लिखिए।

10. 'वापसी' कहानी के आधार पर गजाधरबाबू का चरित्र–चित्रण कीजिए।

11. हिन्दी की प्रमुख महिला अपन्यासकारों का परिचय देते हुए उनकी 'प्रमुख कृतियों को प्रस्तुत कीजिए।

SECTION - C

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [2 × 15 = 30]

12. हिन्दी के प्रमुख स्त्रीवादी रचनाकार और उनकी कृतियों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

13. 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का तत्वगत विवेचन कीजिए।

14. हिन्दी की प्रमुख स्त्रीवादी कवयित्रियों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

15. स्त्री साहित्य परंपरा में प्राचीन काल का योगदान समझाइए।

⌘⌘⌘